

# Inhalt

|   |                         |           |
|---|-------------------------|-----------|
| <b>SICHERE TEXTTRANSPORTS</b>           | <b>SICHERE GEDICHTE</b> | <b>9</b>  |
|   |                         |           |
| <b>JAN KONEFFKE</b>                     |                         | <b>15</b> |
| <i>Was ich mag nicht mag</i>            |                         | <b>17</b> |
| <i>Kindheitssommer Elternliebe</i>      |                         | <b>18</b> |
|   |                         |           |
| <b>SYLVIA GEIST</b>                     |                         | <b>21</b> |
| <i>An dem Oktobertag sah ich Bäume.</i> |                         | <b>23</b> |
| <i>Aphasie</i>                          |                         | <b>24</b> |
| <i>Für jetzt</i>                        |                         | <b>25</b> |
| <i>Etwas anderes</i>                    |                         | <b>26</b> |
| <i>Nächstes Mal</i>                     |                         | <b>27</b> |
| <i>Veränderung</i>                      |                         | <b>28</b> |
| <i>Gerettet</i>                         |                         | <b>29</b> |
|   |                         |           |
| <b>RON WINKLER</b>                      |                         | <b>31</b> |
| <i>Oderbruch</i>                        |                         | <b>33</b> |
|   |                         |           |
| <b>FRANZISKA BEYER-LALLAURET</b>        |                         | <b>35</b> |
| <i>Vibration</i>                        |                         | <b>37</b> |
| <i>Talismane</i>                        |                         | <b>38</b> |
| <i>Meer und Land</i>                    |                         | <b>39</b> |
| <i>Zukunft</i>                          |                         | <b>40</b> |
| <i>Loch im Leib</i>                     |                         | <b>41</b> |
| <i>Über die Brücke</i>                  |                         | <b>42</b> |
| <i>Wir kommen im Dunkeln heim</i>       |                         | <b>43</b> |
|   |                         |           |
| <b>RALF-RAINER RYGULLA</b>              |                         | <b>45</b> |
| <i>Älter werden I</i>                   |                         | <b>47</b> |

247

|  |    |
|--|----|
| <i>Älter werden II</i>                                       | 48 |
| <i>Das letzte Kichern</i>                                    | 49 |
| <i>Die Worte der Designerin</i>                              | 50 |
| <i>Ein Held</i>  | 51 |
| <i>Es bleibt wie es ist</i>                                  | 52 |
| <i>Fransen</i>   | 53 |
| <i>Hilfe II</i>  | 54 |
| <i>Wumm oder Platsch</i>                                     | 56 |
| <br>   |    |
| <b>KATHRIN NIEMELA</b>                                       | 59 |
| <i>tauchgang</i>   | 61 |
| <i>spirale</i>   | 62 |
| <i>fadenkreuz</i>  | 63 |
| <i>polare störung</i>  | 64 |
| <i>tunnelutopie</i>  | 65 |
| <br>   |    |
| <b>WERNER WEIMAR-MAZUR</b>                                   | 67 |
| <i>dann blätterte ich weiter in den lamellen</i>             | 69 |
| <i>hunger. durst</i>   | 70 |
| <i>[die berührungen an der nächsten straßenecke]</i>         | 71 |
| <i>ausgehend von meinem sternum</i>                          | 72 |
| <i>ein briefwechsel</i>                                      | 73 |
| <i>[ich gehe nachts]</i>                                     | 74 |
| <i>wiederbegegnung</i>                                       | 75 |
| <br>   |    |
| <b>NATASCHA DENNER</b>                                       | 77 |
| <i>Das Uferland war ungebrochen</i>                          | 79 |
| <i>wo ich aus der zeit fiele</i>                             | 80 |
| <i>hörst Du mich</i>   | 81 |
| <i>die Haut war ein Deckmantel</i>                           | 82 |
| <i>Ich</i>   | 83 |
| <i>über dem Flipchart huschen bunt</i>                       | 84 |
| <br>   |    |
| <b>HASAN ZE ALNOON</b>                                       | 85 |
| <i>قيامة العصافير – Die Auferstehung der Vögel (deutsch)</i> | 87 |

|   |            |
|---|------------|
| <b>قيامة العصافير – <i>Die Auferstehung der Vögel (arabisches Original)</i></b> | <b>91</b>  |
| <b>KRYSTYNA KUHN</b>  | <b>97</b>  |
| <i>im schnabel des hubschraubers</i>  | 99         |
| <i>am morgen wieder</i>   | 100        |
| <i>früh lagerte dein kind</i>   | 101        |
| <i>die zigarren meines vaters</i>   | 102        |
| <i>das universum zittert</i>  | 103        |
| <i>keine umarmung</i>   | 104        |
| <i>morgens</i>  | 105        |
| <b>MICHAEL AUGUSTIN</b>   | <b>107</b> |
| <i>Mein Vorschlag</i>   | 109        |
| <i>Konsonanten</i>  | 110        |
| <i>O weh !</i>  | 111        |
| <i>A hoy !</i>  | 112        |
| <i>Ein Gedicht</i>  | 113        |
| <i>Voll</i>   | 114        |
| <b>ANNETTE HAGEMANN</b>   | <b>115</b> |
| <i>Bei den Krebsen</i>  | 117        |
| <i>Leuchtsignale</i>  | 118        |
| <i>9e Arrondissement</i>  | 119        |
| <i>Fingerabdrücke in St. Bavo</i>   | 120        |
| <i>Hinter den Wäldern</i>   | 121        |
| <i>Luciana, Südalien, 1952</i>  | 122        |
| <b>ANDREAS RUMLER</b>   | <b>123</b> |
| <i>Futterneid</i>   | 125        |
| <i>Flucht</i>   | 126        |
| <i>Musik-Liebhaber in Uniform</i>   | 127        |
| <i>Denkmale im Gedicht</i>  | 130        |
| <i>Strahlendes Gestirn</i>  | 132        |

## Inhalt

---

|                                    |     |
|------------------------------------|-----|
| <b>CAROLINE HARTGE</b>             | 135 |
| <i>reisespiel der enkelin</i>      | 137 |
| <br>                               |     |
| <b>REINHARD REICH</b>              | 139 |
| <i>gstanzl</i>                     | 141 |
| <i>zeitunglueck</i>                | 142 |
| <i>blick aus dem fenster</i>       | 143 |
| <i>fliege</i>                      | 144 |
| <i>fast gebrochen</i>              | 145 |
| <i>wille zur stille</i>            | 146 |
| <i>du e dur</i>                    | 147 |
| <i>finde im blinden</i>            | 148 |
| <i>donauschlinge</i>               | 149 |
| <br>                               |     |
| <b>CORNELIA BECKER</b>             | 151 |
| <i>alas</i>                        | 153 |
| <i>nichts</i>                      | 154 |
| <i>wenn ich schreibe</i>           | 156 |
| <br>                               |     |
| <b>THOMAS WEIß</b>                 | 157 |
| <i>freies geleit</i>               | 159 |
| <i>handel</i>                      | 160 |
| <i>verlust</i>                     | 161 |
| <i>weg zehrung</i>                 | 162 |
| <i>suche</i>                       | 163 |
| <i>rast</i>                        | 164 |
| <i>auf bruch</i>                   | 165 |
| <br>                               |     |
| <b>ANNA SANNER</b>                 | 167 |
| <b>ZUSAMMEN FEIERN</b>             | 169 |
| <b>WO ICH BIN?</b>                 | 170 |
| <i>mensch – eben noch und dann</i> | 171 |
| <i>Vom Mädchen zur Mutter</i>      | 172 |
| <i>Die dritte Person</i>           | 173 |
| <i>Gänsehaut schlürfen</i>         | 174 |

|   |     |
|---|-----|
| <i>Puppenspiel</i>                          | 175 |
| <i>New Babylon – Stadt der Engelszungen</i> | 176 |
| <br>  |     |
| <b>MIO COSTA</b>                            | 179 |
| <i>rotpunkte, kein zurück</i>               | 181 |
| <i>not a to do list</i>                     | 182 |
| <i>durchsichtige phase (n)</i>              | 183 |
| <i>(titellos)</i>                           | 184 |
| <i>arrabiata meaning antipasstso</i>        | 186 |
| <i>klirrfaktorschule (gläserlos)</i>        | 187 |
| <br>  |     |
| <b>KERSTEN FLENTER</b>                      | 189 |
| <i>Die Arie des Bauarbeiters</i>            | 191 |
| <i>Das letzte Gedicht</i>                   | 195 |
| <br>  |     |
| <b>SERGEJ TENJATNIKOW</b>                   | 197 |
| <i>Ermüdete Engel</i>                       | 199 |
| <i>Der Spaziergang in einer City</i>        | 200 |
| <i>Dort</i>                                 | 202 |
| <i>Der goldene Esel</i>                     | 203 |
| <i>Höhlengleichnis</i>                      | 204 |
| <i>Picknick auf Kuba</i>                    | 205 |
| <i>Irrtum</i>                               | 206 |
| <br>  |     |
| <b>SAFIYE CAN</b>                           | 207 |
| <i>Künstlerleben leben</i>                  | 209 |
| <i>Luftloch</i>                             | 210 |
| <br>  |     |
| <b>GÜNTHER BUTKUS</b>                       | 211 |
| <i>als wir uns trafen</i>                   | 212 |
| <i>alsterlicht</i>                          | 213 |
| <i>wolkenlosblau</i>                        | 214 |
| <i>festhalten</i>                           | 215 |
| <i>hautfetzen</i>                           | 216 |
| <i>vagabunden</i>                           | 217 |

## Inhalt

---

|  |            |
|--|------------|
| <b>zeitenwende</b>                           | <b>218</b> |
| <br>   |            |
| <b>OLAF VELTE</b>                            | <b>219</b> |
| <i>Peggy Cavanagh</i>                        | 221        |
| <i>Vers</i>                                  | 222        |
| <i>Selbstportrait 23</i>                     | 223        |
| <i>Lutter &amp; Wegner</i>                   | 224        |
| <i>Lichtspiele</i>                           | 225        |
| <i>Feldschütz Gang 33</i>                    | 226        |
| <br>   |            |
| <b>VOM SCHREIBEN (Die Herausgeber*innen)</b> | <b>229</b> |
| <br>   |            |
| <b>REIMER BOY EILERS</b>                     | <b>231</b> |
| <i>Ich wollte nicht der Zauberer sein</i>    | 233        |
| <br>   |            |
| <b>SABINE GÖTTEL</b>                         | <b>235</b> |
| <i>über den see</i>                          | 237        |
| <br>   |            |
| <b>MARCO SAGURNA</b>                         | <b>239</b> |
| <i>Was Gedicht ist</i>                       | 241        |
| <br>   |            |
| <b>LEANDER SUKOV</b>                         | <b>243</b> |
| <i>Du und die Welt</i>                       | 245        |